आचार्य महाप्रज्ञ की 300वीं पुस्तक का विमोचन आज

सरदारशहर 16 नवज़्बर, 2010

मानव को मानव बनाने का बीड़ा उठाने वाले जैनसंत आचार्य महाप्रज्ञ की 300वीं पुस्तक का विमोचन आज प्रात: 9.30 बजे आचार्य महाश्रमण के द्वारा तेरापंथ भवन में किया जायेगा। जीवन की दिशा बदलने वाली इस पुस्तक 'जो सहता है वही रहता है' का सज़्पादन मुनि जयंतकुमार ने किया है, उन्होंने इस सन्दर्भ की जानकारी देते हुए बताया कि आचार्य महाप्रज्ञ के महाप्रयाण से 8 घण्टे पूर्व इस पुस्तक पर चर्चा की थी। अंतिम दिन मिली हरी झण्डी वाली यह पुस्तक मेरे संपादन की प्रथम पुस्तक है। आचार्य महाप्रज्ञ के आशीर्वाद से ही में लेखन और सज़्पादन के क्षेत्र में अपनी शक्ति का नियोजन कर रहा हूं। आचार्य महाप्रज्ञ का प्रत्येक प्रवचन जीवन की दिशा बदलने वाला होता था। उनके मीडिया में प्रसारित होने वाले आलेख बुत चर्चित होते थे। प्रस्तुत पुस्तक 'जो सहता है वही रहता है' में उन्हीं आलेखों को सज़्मलित किया गया है, इसके साथ ही ध्यान, मंत्र और आसन के प्रयोगों को जोड़कर युवाओं की सोच बदलने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

तेरापंथ मीडिया सेंटर से मिली जानकारी के अनुसार प्रस्तुत पुस्तक का प्रकाशन जैन विश्व भारती के द्वारा किया गया है। अचार्य महाप्रज्ञ के महाप्रयाण के बाद मीडिया में मुनि की रही अधुरी मनोकामना शीर्षक से छपी खबरों के कारण चर्चा में आई इस पुस्तक की पाठकों में मांग बढ़ती जा रही है। इस पुस्तक के लिए एडवांस बुकिंग हेतु पाठक जैन विश्व भारती कार्यालय से सज़्पर्क साध रहे हैं। बुधवार को एक विशिष्ट कार्यक्रम में इस पुस्तक की प्रथम कृति संपादक मुनि जयंतकुमार के द्वारा आचार्य महाश्रमण को विमोचन हेतु समर्पित की जायेगी।